समाजशास्त्र तथा सामान्य/व्यवहारिक बुद्धि

(Sociology and Common Sense)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

समाजशास्त्र

- **ईमाइल दुर्खीम:** *'समाजशास्त्र सामूहिक प्रतिनिधित्व का विज्ञान है।'*
- **फेयरचाइल्ड:** *'समाजशास्त्र मनुष्यों एवं उनके मानवीय पर्यावरण के मध्य संबंधों का अध्ययन है।'*
- **मैकाइवर एवं पेज:** *'समाजशास्त्र सामाजिक संबंधों के विषय में है तथा संबंधों के जाल को हम समाजशास्त्र कहते हैं।'*
- **हर्बर्ट स्पेन्सर:** *'समाजशास्त्र सामाजिक प्रघटनाओं का विज्ञान है।'*
- **अर्नोल्ड एम. रोज:** *'समाजशास्त्र मानव संबंधों का विज्ञान है।'*

समाजशास्त्र: एक समाज विज्ञान

समाजशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि

सामान्य/ व्यावहारिक बुद्धि

- सामान्य बुद्धि को दिन-प्रतिदिन के ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जाता है जो लोगों को उनकी रोजमर्रा की दुनिया और गतिविधियों के बारे में होता है।
- इसे दूसरे शब्दों में प्रकृतिवादी या व्यक्तिवादी व्याख्या कहा जा सकता है।
- इसकी वैधता को जानना तथा सत्यापनशीलता संभव नहीं है।
- सामान्य बुद्धि परिकल्पना निर्माण में समाजशास्त्री की मदद करता है।
- यह समाजशास्त्रीय जांच के लिए आधार प्रदान करता है।
- सामान्य बुद्धि को ध्यान में रखकर समाजशास्त्रीय व्याख्या तैयार की जाती है।
- जब समाजशास्त्र प्रत्यक्षवाद के करीब पहुंचा, तो सामान्य बुद्धि को त्याग दिया गया।

सामान्य/ व्यावहारिक बुद्धि

- **हेगेल:** सभी दर्शन धीरे-धीरे सामान्य दिन-प्रतिदिन की चेतना से विकसित होते हैं।
- **दुर्खीम:** सामान्य बुद्धि की धारणाएं पूर्वाग्रह हैं जो सामाजिक दुनिया के वैज्ञानिक अध्ययन को प्रभावित कर सकती हैं।
- **पीटर बर्जर:** समाजशास्त्र का आकर्षण इस तथ्य में निहित है कि इसका दृष्टिकोण हमें एक नई रोशनी में उसी दुनिया को देखने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें हमने अपना जीवन व्यतीत किया है।
- **एंथनी गिडेंस:** कभी-कभी समाजशास्त्रीय ज्ञान ही सामान्य बुद्धि का हिस्सा बन जाता है।
- **मूरे और रीड:** सामान्य बुद्धि और विज्ञान का एक साथ उपयोग किया जाता है जो मनुष्य की सत्य की समझ का विस्तार करता है।
- **गॉफमैन:** सामान्य बुद्धि वह ज्ञान है, जिसका उपयोग लोग निर्णय लेने और दुनिया भर में अपना रास्ता बनाने के लिए करते हैं।

समाजशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि: अंतर्संबंध

- सामान्य बुद्धि का संबंध लोक ज्ञान व परंपरा से होता है तथा लोक ज्ञान व परंपराओं का अध्ययन समाजशास्त्र द्वारा किया जाता है।
- सामान्य बुद्धि से सामाजिक व्यवहार व संबंध प्रभावित होते हैं तथा इन सामाजिक व्यवहारों व संबंधों का वैज्ञानिक अध्ययन करना ही समाजशास्त्र है।
- सामान्य बुद्धि का संबंध सामाजिक संस्थाओं से होता है तथा इनका अध्ययन समाजशास्त्र में किया जाता है।
- सामान्य बुद्धि समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की निर्मिति में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

- सिद्धांत तथा विचार सामान्यतः 'सामान्य बुद्धि' (Common Sense), 'प्रतिदिन का ज्ञान' (Everyday Knowledge) तथा 'अनुभव' (Experience) से निर्मित होते हैं। इनसे मानव पक्षपातपूर्ण हो जाता है, जिसका विरोध समाजशास्त्र द्वारा किया जाता है।

समाजशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि: अंतर

- सामान्य बुद्धि सतह पर जो दिखाई देता है उससे संकेत लेता है लेकिन समाजशास्त्र अंतर्संबंधों और कारण स्पष्टीकरणों की तलाश करता है।
- सामान्य बुद्धि रूढ़िवादी मान्यताओं को बढ़ावा देता है लेकिन समाजशास्त्र कारण और तर्क का उपयोग करता है।
- सामान्य बुद्धि धारणाओं पर आधारित होती है जबकि समाजशास्त्र साक्ष्यों पर आधारित होता है।
- सामान्य बुद्धि ज्ञान में अनुभवजन्य परीक्षण का कोई स्थान नहीं है जबकि समाजशास्त्र एक अनुभवजन्य अभिविन्यास के साथ अनुसंधान करता है।
- सामान्य बुद्धि का ज्ञान सुसंगत नहीं हो सकता है।
- सामान्य बुद्धि का ज्ञान व्यक्तिगत होता है लेकिन समाजशास्त्रीय ज्ञान का परिणाम सामान्यीकरण होता है।
- समाजशास्त्र परिवर्तन उन्मुख है जबकि सामान्य बुद्धि यथास्थितिवाद को बढ़ावा देता है।

समाजशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि: अंतर

- सामान्य बुद्धि परिवर्तन को नकारती है, जबकि समाजशास्त्र परिवर्तन को महत्व देता है। समाजशास्त्र संपूर्ण संरचना, उसके प्रकार्यों तथा व्यवहारों के प्रति प्रश्न करता रहता है।
- सामान्य बुद्धि परंपरागतता को बढ़ावा देता है, जबकि समाजशास्त्र की प्रकृति नकारने की होती है।
- सामान्य बुद्धि विशेष भूमिकाएँ व कर्तव्यों को निर्धारित करता है –
  - जेंडर
  - निर्धनता
  - जनजातीय समाज
- जबकि समाजशास्त्र रूढ़िवादिता (Stereotype) का पुरजोर विरोध करता है।

  मारग्रेट मीड: पपुआ न्यूगिनी की जनजाति का अध्ययन
- सामान्य बुद्धि में मूल्य उन्मुखता का भाव देखने को मिलता है, जबकि समाजशास्त्र मूल्य तटस्थ (Value Free) होने की बात करता है।

समाजशास्त्र तथा सामान्य बुद्धि

- **हावर्ड बेकर:** लेबलिंग सिद्धांत
- **मारग्रेट मीड:** पपुआ न्यूगिनी की जनजाति का अध्ययन
- **दुर्खीम, मार्क्स तथा वेबर:** धर्म संबंधी विचार
- **एंथोनी गिडेंस:** संरचनाकरण
- **एंटोनियो ग्रामसी:** सांस्कृतिक प्रभुत्व
- **मैक्स वेबर, अल्फ्रेड शुट्ज़, एडमंड हसरेल, पीटर बर्जर व लकमैन**

Next Class:

भारत में समाजशास्त्र का विकास

(Development of Sociology in India)